

## दीवानों की महफिल है

दीवानों की महफिल है...दीवानें ही आते हैं...  
खाट्ट में ग्यारस की...हाजरी लगाते हैं...

घर से निकलते हैं... सांवरे से मिलने को...  
खाट्ट पहुँचते ही...सिधे दर्शन को जाते हैं...

भुख इन्हे भजनों की...प्यास दर्शन की रहे...  
श्याम के झलक पाकर...भुख प्यास मिट जाते हैं...

श्रिंगार प्यारा है...मन को लुभाता है...  
बांकी अदाओं पे...दिल हार जाते हैं...

बाबा से कहेंगे दिल की...आते हैं यही सोचकर...  
पग चौखट पे रखते ही...सब कुछ भुल जाते हैं...

श्याम के दीवानों का...कहीं और ना ठिकाना है...  
पुछो ज़रा इनसे...सभी खाट्ट बताते हैं...

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/36439/title/diwano-ki-mhfil-hai>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |